SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2006-07

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय, 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

Indian Overseas Bank

Central Office : 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

शेयरधारकों को अनुदेश : अति आवश्यक व तत्काल

1 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन व अंतरण) और वित्तीय संस्थाएँ विधि (संशोधन) अधिनियम 2006 जो 16 10 2006 से प्रभावी है, ने बैंककारी कंपनी (उपक्रमों के अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 में निम्नलिखितानुसार एक नई धारा 10(बी) जोड़ दी है :

- **यदि किसी शेयरधारक ने लाभांश की घोषणा की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति से 7 दिनों के अंदर लाभांश का नकदीकरण / दावा नहीं किया है तो बैंक के चालू खाते में जमा रही उस रकम को अलग से "वर्ष____के लिए आइओबी का अदत्त लाभांश खाता" शीर्षक रूपी एक अलग खाते में अंतरित किया जाना चाहिए**
- **अदत्त लाभांश खाते में अंतरित की गयी कोई भी रकम अंतरण की तारीख से सात वर्षों की अवधि के लिए अदत्त या अदावाकृत रहती है तो उसे कंपनी अधिनियम 1956 की 205(1)(सी) के तहत स्थापित निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि को अंतरित किया जाना है।**

अत: वर्ष 2000-01, 2001-02, 2002-03 के लिए लाभांश, वित्तीय वर्ष 2003-04 के लिए अंतरिम/अंतिम लाभांश और वर्ष 2004-05 के लिए और वर्ष 2005-06 के लिए अंतरिम / अंतिम लाभांश जिन शेयरधारकों को नहीं मिला है / जिन्होंने लाभांश का नकदीकरण नहीं किया है उनसे अनुरोध है कि वे अपने दावे, फोलियों संख्या (ओं) जैसे ब्योरों सहित निवेशक संबंध कक्ष, इण्डियन ओवरसीज बैंक, केंद्रीय कार्यालय, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002 को भेज दें।

2 वापसी आदेश प्राप्त न होने संबंधी मामलों के बारे में भी शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने दावे, यदि कोई हो, तो आवेदन संख्या सहित निवेशक संबंध कक्ष, इण्डियन ओवरसीज बैंक, केंद्रीय कार्यालय, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002 को भेज दें।

3 **डीपी के जरिए इलेक्ट्रानिक रूप में शेयर धारण करनेवाले शेयरधारकों द्वारा पते, बैंक खाते में परिवर्तन जैसे अधिदेशित विवरणों में परिवर्तन के लिए संबंधित डी पी से संपर्क किया जाना चाहिए न कि रजिस्ट्रार से।** कृपया नोट करें कि रजिस्ट्रार, डी पी द्वारा 08.05.2007 तक उन्हें दिए हुए विवरणों के आधार पर लाभांश अधिपत्र (या यदि शेयरधारक ने ईसीएस जमा का विकल्प दिया हो तो उस अधिदेशित खाते में जमा) भेजेगा।

4 फोलियो का समेकन : यह पाया गया कि कई शेयरधारकों द्वारा एक से अधिक अर्थात बहुसंख्या में फोलियो रखे गए हैं। शेयरधारकों को उत्तम सेवा प्रदान करने हेतु हम शेयरधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे फोलियो के समेकन हेतु अपने शेयर प्रमाणपत्रों को रजिस्ट्रार को एवं शेयर अंतरण एजेण्ट्स को उनके रिकार्ड में आवश्यक सुधार हेतु भेज दें।

Instructions to shareholders: Most urgent and immediate

1. The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) and Financial Institutions Laws (Amendment) Act 2006, which has come into force on 16 10 2006, has inserted a new section 10(B) in the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act 1970 which provides as under:
   - **Within 7 days from the expiry of 30 days from the date of declaration, if any shareholder has not encashed/ claimed the dividend, such amounts lying in the bank current account, have to be transferred to a separate account styled " Unpaid Dividend Account of IOB for the year _____"**
   - **Any money transferred to the Unpaid Dividend account which remains unpaid or unclaimed for a period of seven years from the date of such transfer, shall be transferred to the Investor Education and Protection Fund established under 205(1)(C) of the Companies Act 1956.**

   Hence the Shareholders who have not received/encashed the dividend for financial years 2000-01, 2001-02, 2002-03,Interim / Final Dividend 2003-04 and Interim /Final Dividend 2004-2005 and for the year 2005-06 are requested to send their claim along with details of Folio No(s) to Investors Relations Cell, Indian Overseas Bank, Central Office, 763, Anna Salai, Chennai - 600 002.
2. Shareholders are also requested to send their claims, if any, in case of non receipt of refund orders along with Application Number to Investors Relations Cell, Indian Overseas Bank, Central Office, 763, Anna Salai, Chennai - 600 002.
3. **The shareholders, who are holding shares in electronic form through a DP, have to approach only the DP concerned for any change in the mandated particulars like change of address, Bank account and not the Registrar.** Please note that the registrar would send the dividend warrant (or credit to the mandated account in the case of shareholders who have opted for ECS credit) based on the particulars furnished by DP to the Registrar as on 08 05 2007.
4. Consolidation of Folios: It has been found that many shareholders maintain more than one folio (i.e.) multiple folios. In order to provide efficient service to shareholders, we request the shareholders to consolidate the folios by forwarding their share certificates to Registrar and Share Transfer Agents for necessary corrections in their records.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय, 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

Indian Overseas Bank

Central Office : 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2006-2007

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री टी एस नारायणसामी अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक	**Shri T. S. Narayanasami** Chairman and Managing Director
श्री ए वी दुगाड़े कार्यपालक निदेशक	**Shri A V Dugade** Executive Director
श्री मधुसूदन प्रसाद सरकारी नामिती निदेशक	**Shri Madhusudan Prasad** GOI Nominee Director
श्रीमती चित्रा चंद्रमौलीश्वरन भा रि बैंक के नामिती निदेशक	**Smt.Chitra Chandramouliswaran** RBI Nominee Director
श्री शंकरन श्रीनिवासन कर्मकार कर्मचारी निदेशक (19 04 07तक)	**Shri Sankaran Srinivasan** Workmen Employee Director *(till 19 04 2007)*
श्री नटेसन श्रीधरन कर्मकार कर्मचारी निदेशक (20 04 07 तक)	**Shri Natesan Sridaran** Workmen Employee Director (from 20 04 2007)
श्री जे डी शर्मा अधिकारी कर्मचारी निदेशक	**Shri J D Sharma** Officer Employee Director
श्री एम रविंद्र विक्रम सरकारी नामिती (सनदी लेखाकर वर्ग)	**Shri M Ravindra Vikram** Nominated by the GOI *(Chartered Accountant category)*
श्री सूरज खत्री सरकारी नामिती	**Shri Sooraj Khatri** Nominated by the GOI
श्री एम एन कंदस्वामी सरकारी नामिती	**Shri M N Kandaswamy** Nominated by the GOI
श्री एम एन वेंकटेशन शेयरधारक निदेशक	**Shri M.N. Venkatesan** Shareholder Director
श्री अशोक कुमार भार्गव शेयरधारक निदेशक	**Shri Ashok Kumar Bhargava** Shareholder Director
श्री चिरंजीब सेन शेयरधारक निदेशक	**Shri Chiranjib Sen** Shareholder Director

लेखापरीक्षक
सी एस हरिहरन ऐण्ड कं.
एसआरआरके शर्मा एसोसिएट्स
एस के सिंघानिया ऐण्ड कं.
आर एस सिपय्या ऐण्ड कं.
महाराज एनआर सुरेश ऐण्ड कं
वैदीश्वरन ऐण्ड कं

AUDITORS
C.S.Hariharan & Co
SRRK Sharma Associates
S K Singhania & Co
R S Sipayya & Co
Maharaj N R Suresh & Co
Vaithisvaran & Co

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट
मेसर्स केमियो कार्पोरेट सर्विसेस लि.
(यूनिट - आइ ओ बी) सुब्रमणियन बिल्डिंग,
पहली मंज़िल न. 1, क्लब हाउस रोड,
चेन्नै - 600 002
टेलिफोन- 044-28460390(छह लाइनें),
फैक्स- 28460129
ई.मेल : cameo@cameoindia.com

Registrars & Share Transfer Agent
M/s. Cameo Corporate Services Ltd
(Unit-IOB) Subramanian Building,
I Floor, No.1, Club House Road,
Chennai - 600 002
Tel : 044 - 28460390 (Six Lines)
Fax: 044 - 28460129
e mail: cameo@cameoindia.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय, 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

Indian Overseas Bank

Central Office : 763, Anna Salai, Chennai - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2006-2007

विषय-वस्तु CONTENTS

विषय-वस्तु Contents	पृष्ठ सं Page No.	विषय-वस्तु Contents	पृष्ठ सं Page No.
अध्यक्ष की डेस्क से From the Chairman's desk	3	कार्पोरेट गवर्नेन्स पर लेखापरीक्षकों का प्रमाण पत्र Auditors' Certificate on Corporate Governance	57
शेयरधारकों को सूचना Notice to Shareholders	7	वार्षिक लेखे Annual Accounts	58
परिणाम - एक झलक में Results at a Glance	10	नकद प्रवाह विवरण एवं लेखापरीक्षकों का प्रमाण पत्र Cash Flow Statement & Auditors' Certificate	88
निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	11	लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	94
प्रबंधन विचार विमर्श और विश्लेषण Management Discussion and Analysis	18	प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	95
वर्ष 2006-07 के लिए कार्पोरेट गवर्नेन्स पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट Report of the Board of Directors on Corporate Governance for the Year 2006-07	32	उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	95

Report Junction.com

वित्तीय कैलेण्डर

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2007 के लिए

वार्षिक रिपोर्ट का प्रेषण	14 05 2007 से 18 05 2007
लेखा बंदी की तारीख	09 05 2007 (बुधवार) से 15 05 2007 (मंगलवार) (दोनों दिन शामिल है)
प्रॉक्सी फार्म की प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि	07 06 2007 (गुरुवार)
वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख	12 06 2007 (मंगलवार) सुबह 10.00 बजे
लाभांश की घोषणा	12 06 2007 (मंगलवार)
लाभांश अदायगी तारीख	22 06 2007
लाभांश अधिपत्र प्रेषण की संभाव्य तारीख	15 06 2007 से 19 06 2007

Financial Calendar

For the Financial year 1st April, 2006 to 31st March 2007

Posting of Annual Report	14 05 2007 to 18 05 2007
Book Closure Dates	09 05 2007(Wednesday) to 15 05 2007 (Tuesday) (both days inclusive)
Last date for Receipt of Proxy Forms	07 06 2007(Thursday)
Date of AGM	12 06 2007(Tuesday) 10 00 A.M.
Declaration of dividend	12 06 2007(Tuesday)
Dividend Payment Date	22 06 2007
Probable Date of Despatch of Dividend Warrants	15 06 2007 to 19 06 2007

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक का पत्र
LETTER FROM THE CHAIRMAN AND MANAGING DIRECTOR

श्री टी. एस. नारायणसामी
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

Shri T. S. Narayanasami
Chairman & Managing Director

प्रिय शेयरधारकों,

वर्ष 2006-2007 के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है। मैं इस वर्ष के दौरान बैंक की उपलब्धियों और कुछ प्रमुख मामलों पर संक्षेप में प्रकाश डालना चाहूँगा।

वर्ष के दौरान बैंक ने 10 फरवरी 2007 को अपनी 70 वीं वर्षगांठ मनाई और दो महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार किए एक कुल कारोबार में रु.एक लाख करोड़ पार कर लिया और दूसरा निवल लाभ में रु.एक हजार करोड़ की उपलब्धि। 31 मार्च 2007 तक कुल कारोबार रु.116,663 करोड़ तक पहुँच गया जबकि निवल लाभ वर्ष के अन्त तक रु.1008.43 करोड़ रहा। दूसरी महत्वपूर्ण घटना थी 31 मार्च 2007 को कारोबार की समाप्ति से भारत ओवरसीज़ बैंक लि. का अधिग्रहण और 103 शाखाओं के अतिरिक्त बैंकॉक शाखा का एक बार फिर हमारी विदेशी शाखा बन जाना।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार सेवा क्षेत्रों व निर्माण में वृद्धि के फलस्वरूप 2005-06 में 9.0% की वृद्धि से ऊपर 2006-2007 में जीडीपी में 9.2% की वृद्धि सहित भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती आई। लगातार दूसरे वर्ष 9% से अधिक जीडीपी वृद्धि का अर्थ था उभरते हुए अवसरों को भुनाने के लिए तत्पर कार्पोरेट से निधियों के लिए बढ़ी हुई मांग। देश में पूँजी के यथेष्ट अन्तर्स्त्राव के परिणाम स्वरूप देश की विदेशी विनिमय आरक्षिती वर्ष 2006-2007 के अन्त में यूएस डॉलर 200.00 बिलियन को पार कर गयी। पूँजी के यथेष्ट अन्तर्स्त्राव से धन की बढ़ी हुई आपूर्ति से वार्षिक मुद्रास्फीति बढ़ी और 2005-06 के 4.4% से बढ़ कर 2006-2007 में 5.4% हो गई। 2006-2007 (अप्रैल - फरवरी) के दौरान वाणिज्यिक निर्यात 19.3% बढ़ा जबकि निर्यात में 27.8% की वृद्धि हुई। बीएसई संकेतक फरवरी 2007 में सबसे ऊपर 14,652 पर रहा किन्तु बाद में मार्च 2007 के अन्त तक यह 13,072 पर आ गया।

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to present your Bank's Annual Report and financial statements for the year 2006-07. I would like to briefly highlight some key issues and achievements of the Bank during the year.

During the year, the Bank celebrated its 70th anniversary on 10th February 2007 and so it is fitting that the Bank passed two very significant milestones, one being the crossing of Rs One Lakh Crores in total business and the other being the achievement of Rs One Thousand Crores in Net Profit. The total business reached Rs 1,16,663 Crore as at 31st March 2007 while the Net Profit stood at Rs 1008.43 Crore at the end of the year. Another significant event was the takeover of Bharat Overseas Bank Ltd. effective from the close of business as on March 31, 2007 and Bangkok branch becoming again one of our overseas branches apart from the addition of 103 branches.

The Indian economy recorded strong growth with the GDP poised to increase by 9.2% in 2006-07 as per advance estimates of Central Statistical Organisation over and above the growth of 9.0% in 2005-06, driven by growth in manufacturing and services sectors. A 9%-plus GDP growth for the second year running meant greater demand for funds from corporates keen on encashing the emerging opportunities. The country's foreign exchange reserves crossed USD 200.00 billion at the end of 2006-07 on the back of strong capital flows into the country. The increased money supply arising out of strong capital inflows resulted in higher annual inflation which increased to 5.4% in 2006-07 from 4.4% in 2005-06. In US Dollar terms, merchandise exports increased by 19.3% during 2006-07(April-February) while imports increased by 27.8%. The BSE Sensex rallied to an all-time high of 14,652 in February 2007 but subsequently moderated to 13,072 by end-March 2007.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक के निष्पादन को देखें तो बैंक की जमाओं में पिछले वर्ष 2005-2006 के 14.21% की तुलना में 36.04% की वृद्धि हुई और यह रु. 68,740 करोड़ तक पहुंची अर्थात वर्ष के दौरान वास्तविक अर्थों में रु.18211 करोड़ की वृद्धि हुई जबकि सकल अग्रिमों में 34.01% की बढ़त हुई जो 2005-06 के दौरान 36.10% की वृद्धि से कुछ कम थी याने वर्ष के दौरान रु.47,923 करोड़ के साथ रु.12163 करोड़ की वृद्धि हुई। यह जमाओं के लिए 23.00% दर और खाद्येतर उधार के लिए उद्योग वार वृद्धि की 28.00% दर से तुलनीय है। रिपोर्ट की अवधि के अन्त तक सी डी अनुपात 69.72% की उच्च दर पर रहा। बैंक का निवल निवेश 2005-06 के रु.18,952 करोड़ से बढ़ कर रु.23,974 करोड़ तक पहुँचा।

कुल व्यापार स्तर, जैसा कि पहले बताया गया है रु.116663 करोड़ रहा जो पिछले वर्ष के आंकड़ों से 35.20% अधिक था। यह सुधार सामान्य व्यापार विस्तार और भारत ओवरसीज़ बैंक लिमिटेड के अधिग्रहण के फलस्वरूप हुआ।

वर्ष के दौरान बैंक का परिचालनगत लाभ 15.84% रहा और यह रु.1560 करोड़ (परिशोधन के बाद) हो गया। कारोबार विस्तार के कारण परिचालनगत लाभ अधिक रहा। स्वर्ण सिक्कों की फुटकर बिक्री को मिला कर कई प्रतिष्ठित / अनुकूल साझेदारों के साथ बीमा /म्युचुअल फण्ड उत्पादों के विपणन कारोबार में शामिल हो कर बैंक के कोर व्यापार को मजबूत करते हुए बैंक का निवल लाभ वर्ष 2005-2006 के रु.783 करोड़ से बढ़ कर 2006-2007 में रु.1008 करोड़ हो गया। वर्ष 2006-2007 के लिए 30% का लाभांश प्रस्तावित किया जा रहा है।

बैंक ने निर्यात को प्राथमिकता देना जारी रखा। निर्यातकों को निधि आधारित और गैर निधि आधारित दोनों प्रकार की सीमाओं को भारतीय और विदेशी मुद्रा में रियायती ब्याज दर पर दे कर और स्वर्ण कार्ड जारी कर के विभिन्न सुविधाएं दे कर इस क्षेत्र के तहत उधार को बढ़ाने के प्रयास किए गए। बैंक के निर्यात अग्रिम 31 मार्च 2006 तक रु.1717 करोड़ से बढ़ कर 31 मार्च 2007 तक रु.2479 करोड़ हो गए।

बैंक के निवल प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम रु.17986 करोड़ रहे और निवल बैंक ऋण के प्रतिशत के रूप में 41.03% रहा जो भा रि बैंक मानदण्ड के 40% से अधिक है। बैंक के कृषि अग्रिमों और निवल बैंक उधार का अनुपात 18.48% था जो 18% के मानदण्ड से अधिक है। बैंक के कृषि उधार पोर्टफोलियो में रु.5954 करोड़ से रु.8099 करोड़ अर्थात रु.2145 करोड़ की वृद्धि हुई। इस क्षेत्र को ऋण का बहाव बढ़ाने के लिए बैंक ने काफी प्रयास किए। भारत ओवरसीज़ बैंक के अधिग्रहण के बाद 31 मार्च 2007 को एस एम ई क्षेत्र को बैंक का उधार रु.5976 करोड़ था। बैंक ने मेसर्स माइको-बॉश जो एक पावर उपकरण निर्माण करने वाली कंपनी है, के साथ समझौता किया यह समझौता पावर उपकरण खरीदने के लिए अन्य कारीगरो, बढ़ई और टेक्नीशियन को वित्त प्रदान करने के लिए किया गया। बैंक ने, उधार गारण्टी निधि योजना और के वी आइ सी के ग्रामीण स्वनियोजन सृजन कार्यक्रम के तहत आवश्यकता आधार पर उधार देकर माइक्रो उद्यम इकाइयों पर अधिक जोर देते हुए रियायती दर पर एस एमई उधारकर्ताओं को उधार रेटिंग के लिए मेसर्स क्रिसिल और मेसर्स स्मेरा के साथ समझौता ज्ञापन किया।

द फाइनेन्शियल एक्सप्रेस-अर्नस्ट एण्ड यंग अध्ययन ने बैंक को वर्ष 2005-2006 के लिए सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के बीच लाभप्रदता में प्रथम और समग्र रुप से निष्पादन में तीसरा स्थान दिया ।

Coming to the performance of the Bank, the Deposits of the Bank registered an impressive y-o-y growth of 36.04% compared to 14.21% during the year 2005-06 and stood at Rs. 68,740 Crore, an increase in absolute terms of Rs. 18,211 Crore during the year while Gross Advances registered a y-o-y growth of 34.01% which was slightly less than the growth of 36.10% during 2005.-06 and stood at Rs 47,923 Crore, an increase of Rs 12,163 Crore during the year. This compares favourably with the industry-wise growth rates of 23.00% for Deposits and 28.00% for Non-food Credit. The CD Ratio registered a high level of 69.72% as at the end of the reporting period. Net investments of the Bank increased to Rs. 23,974 Crore from Rs.18,952 Crore in 2005-06.

The total business level as informed earlier stood at Rs 1,16,663 Crore, an increase of 35.20% over last year's figure. This improvement has been possible due to general business expansion as well as by the takeover of Bharat Overseas Bank Limited.

The Bank's Operating Profit registered a growth of 15.84 % during the year increasing to Rs.1,560 Crore (after amortisation). The growth in operating profit was higher due to business expansion. The Bank's Net Profit rose from Rs.783 Crore in 2005-06 to Rs.1,008 Crore in 2006-07 on the back of strengthening core business of the Bank and by venturing into marketing of a host of insurance / mutual fund products with several reputed / strategic partners including introduction of retail sale of gold coins. A dividend of 30 % is being proposed for the year 2006-07.

The Bank continued to accord priority to exports. Efforts were initiated to increase the exposure under the sector by extending different types of facilities to the exporters including extension of both fund and non-fund based limits at concessional rates of interest in Indian and Foreign currency and issue of Gold cards. The export advances of the Bank rose from Rs.1,717 Crore as on March 31, 2006 to Rs.2,479 Crore as on March 31, 2007.

The Bank's net priority sector advances stood at Rs.17,986 Crore and as a percentage to net bank credit was at 41.03%, above the RBI norm of 40%. The Bank's ratio of agricultural advances to net bank credit at 18.48% exceeded the 18% norm. The agricultural credit portfolio of the Bank registered a growth of Rs. 2,145 Crore from Rs. 5,954 Crore to Rs. 8,099 Crore in the year under reference. The Bank took a number of initiatives to increase the flow of credit to this sector. Post takeover of Bharat Overseas Bank Ltd., the total exposure of the Bank as on March 31, 2007 to SME sector stood at Rs. 5,976 Crore. The Bank entered into MOU with M/s MICO – BOSCH, a power tool manufacturing company for extending finance to technicians, carpenters and other artisans for purchase of power tools. The Bank also entered into MOUs with M/s CRISIL and M/s SMERA for credit rating of SME borrowers at concessional rates, besides providing greater thrust for micro-enterprise units by way of extending need - based credit under Credit Guarantee Fund Scheme and Rural Employment Generation Programme of KVIC.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

मैं कुछ अनुपातों को जिक्र करना चाहूँगा जो उस दिशा का संकेत देते हैं जिस ओर बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में कदम उठाए हैं । सबसे पहला है नेटवर्थ से लाभ । नेटवर्थ के प्रतिशत के रूप में बैंक का निवल लाभ 31.03.2007 तक 29.11% पर रहा जो 31.03.2006 को 28.55% था । इसने पिछले कुछ वर्षों में लाभ की 28-29% की स्वस्थ परिपाटी को जारी रखा है । यहाँ इस बात का उल्लेख करना अनुचित नहीं होगा कि बैंक को विश्व के उन 25 बैंकों में रखा गया है जिन्होंने नेटवर्थ पर सतत रूप से अपेक्षाकृत उच्च लाभ दर्शाया है ।

वर्ष के दौरान सबसे प्रभावी उपलब्धि रही निवल ब्याज आय में वृद्धि, जो निधियों की लागत में वृद्धि के बावजूद हुई है और रु.2067 करोड़ से बढ़ कर रु.2561 करोड़ तक पहुँची याने 24% की वृद्धि हुई है। कम होते हुए मार्जिन के बाद भी ऐसा हुआ है । वर्ष के दौरान कुल आय वृद्धि 25.71% रही है । निधियों की लागत में वृद्धि और लागत प्रावधान के कारण बैंक का बीपीएलआर वर्ष के प्रारंभ में 11.00 % से बढ़ कर वर्ष के अंत में 12.50% तक पहुंचा । परिणामस्वरुप बैंक का कुल ब्याज अर्जन 2006-2007 में रु.5832 करोड़ तक बढ़ा जबकि वर्ष 2005-06 में यह रु.4406 करोड़ ही था । बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप निवेशों से लाभ में कमी के बावजूद ब्याज आय में वृद्धि हुई ।

सीआरएआर या पूँजी व जोखिम आस्ति अनुपात मार्च 2006 में 13.04% से बढ़ कर मार्च 2007 में 13.27% तक आया, जब कि वर्ष के दौरान जोखिम भारित आस्तियों में 39% की वृद्धि हुई थी ।

सकल एन पी ए वास्तविक रूप में मार्च 2006 में रु. 1,227.55 करोड़ से घट कर मार्च 2007 में रु. 1,120.21 करोड़ हो गए अर्थात सकल उधार में 34% की वृद्धि के बावजूद लगभग 9% कमी हुई । प्रतिशत में देखे तो वर्ष के दौरान सकल अनर्जक अनुपात 3.43% से घट कर 2.34% हो गया और निवल अनर्जक आस्ति अनुपात 0.65% से घट कर 0.55% हुआ ।

बैंक ने एक नई योजना ' एन आर आई शील्ड ' आरंभ की जो एक नया यात्रा बीमा उत्पाद है और इस के साथ अनिवासियों के लिए स्वास्थ्य कवर का लाभ भी उपलब्ध है । यह योजना अनिवासियों के भारत आने पर उनके निजी दुर्घटना, सामान खो जाने, पासपोर्ट खो जाने और एअर पोर्ट से चेक इन किए हुए सामान मिलने में विलम्ब आदि को कवर करती है । इसके अतिरिक्त बीमित व्यक्ति के नाम पर भारत में आवासीय संपत्ति के लिए अग्नि या अन्य समवर्गी दुर्घटनाओं के लिए भी सुरक्षा प्रदान करती हैं । अनिवासी "आइ ओ बी हेल्थ केयर प्लस " के तहत स्वास्थ्य बीमा के लिए भी विकल्प दे सकते हैं । 999.9 की शुद्धता के लिए प्रमाणित फुटकर स्वर्ण सिक्कों की बिक्री से बहुत अच्छा प्रत्युत्तर मिला । बैंक ने 1120 किलो की स्वर्ण मुद्राएँ बेचीं ।

बैंक ने आइ ओ बी अलंकार योजना आंरभ की जो नियोजित, व्यावसायिक महिलाओं या गृहिणियों को आभूषण खरीदने के लिए दी जाने वाली ऋण योजना है । बैंक ने भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ गठजोड़ कर के "आइ ओ बी - एस एच जी परिवार बीमा " योजना आरंभ की जिसमें रु.100 प्रति वर्ष के बहुत कम प्रीमियम पर स्व सहायता समूहों के सदस्यों और उनके पति / पत्नी को जीवन बीमा सुरक्षा दी जाती है । जीवन और जीवनेतर बीमा उत्पादों के वितरण के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और युनाइटेड इण्डिया इंश्योरेन्स कं.लि. के साथ कार्पोरेट एजेन्ट के रूप में गठजोड़ ने बैंक के लिए शुल्क आधारित कारोबार को बढ़ाया। जीवनेतर

The Financial Express-Ernst & Young study ranked the Bank first in profitability and third in overall performance among all the Nationalised banks for the year 2005-06.

I would like to touch upon just a few ratios which indicate the direction the Bank has been taking in the last few years. First, the Return on Networth. The Bank's Net Profit as a percentage of Networth as of 31.03.2007 stood at 29.11% as against 28.55% as of 31.03.2006. This continues the healthy tradition of recording a return in the range of 28-29% over the past few years. It is not inappropriate to mention here that the Bank has been identified as one of the 25 banks worldwide which have consistently posted a relatively higher Return on Networth.

One of the most impressive achievements during the year is the considerable improvement, despite an increase in cost of funds, in the Net Interest Income which rose from Rs 2,067 Crore to Rs 2,561 Crore, a growth of 24%. This comes in the background of ever thinning margins. Total Income growth during the year was 25.71%. The Bank raised its BPLR from 11.00% at the beginning of the year to 12.50% at the end of the year due to increase in cost of funds as well as provisioning costs. Consequently, the total interest earnings of the Bank increased to Rs.5,832 Crore in 2006-07 compared to Rs.4,406 Crore in 2005-06. There was increase in interest income despite a reduced yield on investments in line with the market conditions.

CRAR or Capital to Risk Assets Ratio improved from 13.04% in March 2006 to 13.27% in March 2007 in spite of a 39% increase in Risk Weighted Assets during the year.

Gross NPA declined in real terms to Rs. 1,120.21 Crore in March 2007 from Rs. 1,227.55 Crore in March 2006, i.e., by nearly 9% despite a huge increase of 34% in Gross Credit. In percentage terms, the Gross NPA ratio has reduced to 2.34% from 3.43% and Net NPA ratio to 0.55 % from 0.65% during the year.

The Bank has introduced 'NRI Shield', a new travel insurance product with health cover advantage for NRIs, covering travel-related risks during their visit to India, Personal Accident, loss of baggage, loss of passport and delay in receiving checked-in baggage. Additionally, fire and allied perils cover is also provided for house property in India in the name of the insured. The NRI can also opt for Health Insurance cover under 'IOB-Health Care Plus'. The sale of retail gold coins with certified purity of 999.9 received excellent response. Bank sold 1,120 Kgs of gold coins.

The Bank has introduced 'IOB Alankar', a loan scheme for purchase of jewellery to women who are employed, or professionals, or housewives. The Bank has launched 'IOB - SHG Family Insurance', a scheme under tie-up with LIC of India which provides for life insurance cover to members of Self- Help Groups and their spouses for a very low premium of Rs.100/- per annum. The Bank's tie up with LIC of India and United India Insurance Company Ltd. as a Corporate Agent for distribution of Life and Non Life Insurance has resulted in increased fee- based business for the Bank. To tap the enormous potential available in the non-life segment, the Bank

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

खण्ड में उपलब्ध अत्यधिक संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए बैंक "यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लि " के नाम व शैली से जीवनेतर संयुक्त उद्यम में शामिल हुआ है। यह संयुक्त उद्यम एक अनोखा व्यापार मॉडल है जिसमें निजी व विदेशी साझेदारों के साथ संयुक्त उद्यम के लिए दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक मिलकर शामिल हुए हैं ।

भारत ओवरसीज़ बैंक लि. के अधिग्रहण से थाईलैण्ड में बैंकॉक शाखा पुन: हमारी हो गई और अब विदेश में हमारी 6 शाखाएँ हैं दो हांगकांग में और एक-एक सिंगापुर, सोल, कोलम्बो और बैंकॉक में । सिंगापुर में बून ले में नए प्रेषण केन्द्र ने 25 मार्च 2007 से अपना परिचालन आरंभ किया । बैंक के दो प्रतिनिधि कार्यालय हैं - एक गुआंगजू , चीन में और दूसरा क्वालालम्पुर, मलेशिया में । ये कार्यालय विदेश में अन्य शाखाओं को व भारत में देशीय शाखाओं को व्यापार वृद्धि में सहायता करते हैं । बैंक ने वियतनाम में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक से अनुमोदन प्राप्त कर लिया है और स्टेट बैंक ऑफ वियतनाम से लाइसेंस प्राप्त कर रहा है । न्यूजीलैण्ड में एक शाखा कार्यालय खोलने के लिए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया जा रहा है । बैंक के विभिन्न उत्पादों का विपणन करने हेतु बैंक ने अबु दाबी और दुबई में एक-एक संपर्क अधिकारी को तैनात किया। बैंक यू.ए.ई में प्रतिनिधि कार्यालय खोलने के लिए भी विचार कर रहा है ।

बैंक की समग्र व्यापार वृद्धि के दो अन्य सूचकों के बारे में आपको बताते हुए मुझे खुशी हो रही है-प्रति कर्मचारी कारोबार और प्रति कर्मचारी लाभ, इन दोनों ही कारकों में अत्यधिक सुधार हुआ है। प्रति कर्मचारी कारोबार रु.3.55 करोड़ से रु.4.67 करोड़ तक बढ़ा अर्थात 31.5% की वृद्धि हुई। प्रति कर्मचारी लाभ रु.3.22 लाख से रु.4.04 लाख तक बढ़ा, इसमें 25.5% की वृद्धि हुई ।

बैंक की अंतर्निहित शक्ति और विकास को मान्यता देते हुए स्टैण्डर्ड एण्ड पुअर्स जो एक प्रतिष्ठित वैश्विक रेटिंग एजेन्सी है, ने बैंक की रेटिंग का उन्नयन किया और इसे ' बीबीबी - स्टेबल ' रेटिंग दी जो भारत के लिए उत्कृष्ट रेटिंग के समतुल्य है ।

अधिक निवेश और उपभोक्ता मांग के समर्थन से भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि की काफी संभावना है । मुद्रास्फीति को 5.0% तक रखा जा सकता है । वर्ष 2007-08 के लिए प्रस्तावित जीडीपी वृद्धि 8.5% पर ठीक रहेगी । ब्याज दरें स्थिर होंगी या वर्तमान स्तर से कुछ कम हो सकती हैं । हर दिन बढ़ती हुई प्रतिद्धंदिता से बैंकों को वर्तमान लाभप्रदता स्तर में सुधार लाने के लिए काफी प्रयास करने होंगे । इण्डियन ओवरसीज़ बैंक में हमें विश्वास है कि, उधार के नए क्षेत्रों, पैरा बैंकिंग उत्पादों, शुल्क आधारित आय, परिचालनगत लागत को कम करने पर ध्यान दे कर और कम लागत की निधियों के संग्रहण पर जोर दे कर हम इसे हासिल कर सकते हैं । हमें उच्चतर वृद्धि और मूल्य सृजन के लिए अपना प्रयास जारी रखना होगा । नए और उच्चतर लक्ष्य को पाने की अपनी आगे की यात्रा में हम अपने सभी प्रयासों में आपके सहयोग पर निर्भर होंगे ।

आपका,

टी. एस. नारायणसामी
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

has entered into Non Life insurance Joint Venture under the name and style of 'Universal Sompo General Insurance Company Limited'. The joint venture is a unique business model with two public sector banks joining together to form a joint venture with private and foreign partners.

With the Bangkok branch in Thailand coming back to the Bank's fold following the takeover of Bharat Overseas Bank Ltd, we have six full-fledged branches overseas – two in Hong Kong and one each in Singapore, Seoul, Colombo and Bangkok. A new Remittance centre at Boon Lay in Singapore commenced its operations on March 25, 2007. The Bank has two Representative Offices - one in Guangzhou, China and another in Kuala Lumpur, Malaysia to support other overseas branches and domestic branches in India in terms of business growth. The Bank has obtained approval from Reserve Bank of India to open a Representative Office in Vietnam and the Bank is in the process of obtaining licence from The State Bank of Vietnam. The process of obtaining necessary approval for opening a Branch Office in New Zealand is underway. Our bank has posted two liaison officers, one each at Abu Dhabi and Dubai to market various products of the Bank. The Bank also has plans to open a Representative Office at U.A.E.

I am very pleased to share with you two other indicators of the overall business growth of the bank – the business per employee and profit per employee levels, both of which have shown tremendous improvement. While the business per employee has improved from Rs. 3.55 Crore to Rs. 4.67 Crore, an increase of 31.5 % , the profit per employee has risen from Rs. 3.22 Lacs to Rs. 4.04 Lacs, an increase of 25.5 %.

In recognition of the inherent strength and the Bank's growth, Standard & Poor's, the most reputed global rating agency, upgraded its rating of the Bank to 'BBB - Stable' on par with the Sovereign Rating for India.

Going forward, the potential for growth in the Indian economy remains high supported by higher investment and consumer demand. Inflation may be contained close to 5.0.%. GDP growth projection for 2007-08 looks healthy at 8.5%. Interest rates may stabilize or come down marginally from present levels. With competition increasing by the day, banks have to strive harder to improve current profitability levels. We, at Indian Overseas Bank, are confident we can achieve that by concentrating on new channels of credit, parabanking products, fee-based income, reduction of operating costs and emphasis on mobilisation of low-cost funds. We shall continue to strive for higher growth and for value creation. As we journey onwards in the quest for newer, higher goals, we count as always on your support in all of our endeavours.

Yours sincerely,

T. S. NARAYANASAMI
Chairman and Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शेयर धारकों को सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयरधारकों की सातवीं वार्षिक सामान्य बैठक मंगलवार 12 जून, 2007 को प्रात: 10.00 बजे नारद गान सभा, (सद्गुरू ज्ञानानंद हॉल), 314, टी टी के रोड, चेन्नै - 600018 में निम्नलिखित व्यवसाय हेतु आयोजित की जाएगी।

1. 31 मार्च, 2007 की स्थिति अनुसार बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ-हानि लेखे, लेखा अवधि के दौरान बैंक के क्रियाकलापों और कार्य-व्यवहार पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन पत्र तथा लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना, अनुमोदित करना और अपनाना।
2. वित्त वर्ष 2006-07 के लिए लाभांश घोषित करना ।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार

(टी एस नारायणसामी)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

चेन्नै
23.04.2007

नोट

1. **प्रॉक्सी की नियुक्ति**

   शेयरधारक को बैठक में उपस्थित होने और वोट करने का हक है, उनके बदले किसी प्रतिनिधि को नियुक्त करने का हक है और प्रतिनिधि बैंक का शेयर धारक हो, यह जरूरी नहीं है।

   बहरहाल प्रतिनिधि की नियुक्ति के संबंध में पत्र, बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक प्रारंभ होने के चार दिन पहले, गुरुवार, 07.06.2007 को या पहले जमा कर देना चाहिए।

2. **प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति**

   कोई भी व्यक्ति इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के शेयर धारकों की किसी भी बैठक में तब तक भाग लेने के लिए पात्र नहीं हो सकता या वोट नहीं दे सकता जब तक कि उसे किसी कंपनी के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करते हुए पारित संकल्प की सत्य प्रति, जो कि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित की हो ,जिसमें प्रतिनिधि की नियुक्ति का संकल्प पारित है, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक की नियत **तारीख से चार दिन पहले अर्थात गुरुवार दिनांक 07.06.2007** को या पूर्व जमा नहीं की जाती।

NOTICE TO SHAREHOLDERS

Notice is hereby given that the SEVENTH Annual General Meeting of the shareholders of INDIAN OVERSEAS BANK will be held on Tuesday, the 12th June 2007 at 10 00 A.M at Narada Gana Sabha, (Sathguru Gnananda Hall), 314, T.T.K. Road, Chennai - 600 018, to transact the following business:

1. To discuss, approve and adopt the audited Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2007, Profit & Loss account for the year ended 31st March 2007, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.
2. To declare dividend for the financial year 2006-2007.

BY ORDER OF BOARD OF DIRECTORS

(T S NARAYANASAMI)
Chairman and Managing Director

Chennai
23 04 2007

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY :

   A SHAREHOLDER ELIGIBLE TO ATTEND AND VOTE, IS ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF / HERSELF AND SUCH PROXY NEED NOT BE A SHAREHOLDER OF THE BANK.

   The instrument appointing proxy should, however, be deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting ie. on or before Thursday,07th June 2007.

2. APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE :

   No person shall be entitled to attend or vote at any meeting of the shareholders of Indian Overseas Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative, certified to be a true copy by the chairman of the meeting at which it was passed, has been deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting i.e. on or before Thursday, 07th June 2007.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

3. बैंक के किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी को किसी भी शेयरधारक के प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए ।

4. **उपस्थिति पर्ची तथा प्रवेश पर्ची**

शेयर धारकों की सुविधा हेतु उपस्थिति पर्ची व प्रवेश पास इस सूचना के साथ संलग्न है। शेयर धारकों/प्रॉक्सी धारकों/ प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे पर्ची में प्रदत्त जगह में अपने हस्ताक्षर करें और बैठक के स्थान में अभ्यर्पित करें । प्रॉक्सी /प्रतिनिधि धारकों को उपस्थिति सह प्रवेश पर्ची में प्रॉक्सी/ प्रतिनिधि धारक, जो भी लागू हो, अंकित कर देना है और उनके पास अपनी पहचान के प्रमाण स्वरूप शेयरधारक द्वारा उनका हस्ताक्षर अधिप्रमाणित होना चाहिए ।

5. **शेयर धारकों के रजिस्टर को बंद करना**

शेयर धारकों का रजिस्टर और बैंक की शेयर अंतरण बहियाँ 09.05.2007 (बुधवार) से 15.05.2007 (मंगलवार) तक बंद रहेंगी (दोनों दिन मिलाकर) । लाभांश वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख से एक महीने के अंदर भेज दिया जाएगा।

6. **लाभांश के लिए बैंक-अधिदेश**

लाभांश वारंटों के धोखाधड़ीपूर्ण नकदीकरण से बचने के लिए शेयरधारकों से अनुरोध किया जाता है कि वे नकदीकरण के लिए लाभांश वारंटों को जिस बैंक शाखा में जमा करवाना चाहते हैं, उस बैंक का नाम और अपने खाते की संख्या का उल्लेख करें। ये ब्योरे, शेयरधारक के नाम के अलावा, लाभांश वारंट के चेक वाले हिस्से में मुद्रित किए जाएँगे ताकि, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इन वारंटों का नकदीकरण न किया जा सके। उपुर्युक्त ब्योरे प्रथम/एकल शेयरधारक द्वारा, सीधे शेयर ट्रान्सफर एजेंट को दिए जाने चाहिए जिसमें कि फोलियो संख्या अथवा डीपी आइडी संख्या एवं क्लाइंट आइडी संख्या और धारित शेयरों की संख्या दी जानी चाहिए। यह सभी शेयर धारकों पर लागू होगा जिन्होंने इसीएस अधिदेश प्रस्तुत नहीं किया है ।

7. **पते में परिवर्तन और लाभांश अधिदेश**

शेयर धारकों के शेयर भौतिक रूप (फिसिकल फार्म) के मामले में, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे अपने पते में परिवर्तन, लाभांश अधिदेश और बैंक, शाखा और बैंक खाता संख्या के विवरण, जिसे कि शेयरधारक लाभांश वारंट पर उल्लिखित करवाना चाहते हैं, उन सब की जानकारी दिनांक 31.05.2007

3. No officer or employee of the bank shall be appointed as Authorised Representative or proxy of a shareholder.

4. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS :

For the convenience of the shareholders, attendance slip-cum - entry pass is annexed to this notice. Shareholders/proxy holders/ representatives are requested to affix their signature at the space provided therein and surrender the same at the venue. Proxy holders/ representatives should state on the attendance slip-cum-entry pass as "proxy or representative" as the case may be and should have proof of their identity by getting their signature attested by the shareholder.

5. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS:

The Register of Shareholders and Share Transfer books of the Bank will remain closed from 09 05 2007(Wednesday) to 15 05 2007(Tuesday) (both days inclusive). Dividend shall be mailed within one month from the date of Annual General Meeting.

6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND:

In order to get protection from fraudulent encashment of warrants, shareholders are requested to furnish their bank account number, the name of the Bank and the branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment. These particulars along with the name of the shareholder will be printed on the cheque portion of the dividend warrants, so that these warrants cannot be encashed by anyone else. The above-mentioned details should be furnished by the first/sole shareholder directly to the share transfer agent/ DPs quoting the folio No. or DP Id No. & Client Id No. and the number of shares held. This is applicable for all shareholders who have not submitted ECS mandate(s).

7. CHANGE OF ADDRESS AND DIVIDEND MANDATE:

In case of shareholders holding shares in physical form, they are requested to intimate to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank any change in their address, dividend mandate and the particulars of the bank, branch and bank account number which the shareholder desires to incorporate on the

www.reportjunction.com